

प्रेषक,

अर्जुन सिंह,  
अपर सचिव  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,  
उत्तराखण्ड पेयजल निगम,  
देहरादून।

पेयजल अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक 01 जुलाई, 2017

विषय:- वित्तीय वर्ष 2017-18 में गंगा कार्ययोजना के अन्तर्गत जनपद उत्तरकाशी के अन्तर्गत सीवरज योजना के ऑपरेशन एण्ड मेन्टेनेन्स हेतु प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके कार्यालय के पत्र संख्या 1867/अप्रै0 उत्तरकाशी/53 दिनांक 18.11.2016 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद उत्तरकाशी के अन्तर्गत सीवरज योजना के ऑपरेशन एण्ड मेन्टेनेन्स सम्बन्धित कार्य हेतु ₹ 18.98 लाख (₹ अठारह लाख अठानवे हजार मात्र) की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए वर्तमान वित्तीय वर्ष 2017-18 में इतनी ही धनराशि व्यय हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- (i) भारत सरकार व राज्य सरकार के मानकों के अनुरूप ही उक्त धनराशि का व्यय किया जायेगा।
- (ii) योजना के कार्य उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2017, वित्त नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकार प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-05 भाग-1 (लेखा नियम), आय-व्ययक सम्बन्धित नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत वित्तीय/तकनीकी नियमों, शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- (iii) उपर्युक्त स्वीकृत धनराशि प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, देहरादून के हस्ताक्षर तथा जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षर युक्त बिल कोषागार देहरादून में प्रस्तुत करके आहरित की जायेगी। आहरण से सम्बन्धित बिल बाउचर की संख्या व दिनांक की सूचना शासन एवं महालेखाकार को आहरण के तुरन्त बाद उपलब्ध करायी जायेगी।
- (iv) अवमुक्त की जा रही धनराशि का उपयोग केवल जनपद उत्तरकाशी के अन्तर्गत सीवरज योजना के रखरखाव एवं संचालन हेतु वास्तविक व्यय हेतु किया जायेगा।
- (v) प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड पेयजल निगम यह सुनिश्चित कर ले कि योजना को उक्त योजना पूर्ण करने के उपरान्त रखरखाव हेतु यथाशीघ्र उत्तराखण्ड जल संस्थान को हस्तान्तरित कर दी जाय।
- (vi) पेयजल निगम शीघ्र प्रश्नगत योजना जल संस्थान को हस्तगत करें। अगली बार निगम को धनराशि देय नहीं होगी।

(vii) स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31.03.2018 तक पूर्ण उपयोग कर कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण-पत्र शासन को प्रस्तुत किया जाय।

2- धनराशि आहरण वितरण अधिकारी को कम्प्यूटर आवंटन संख्या H 1707133321 दिनांक 31.07.2017 से आवंटित की जा रही है। धनराशि का उपयोग हेतु शासनादेश संख्या 610/3(150)/XXVII(1)/2017 दिनांक 30 जून, 2017 के द्वारा निर्गत दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

3- उक्त व्यय वर्तमान चालू वित्तीय वर्ष 2017-18 के अनुदान संख्या-13 के लेखाशीर्षक 2215-जलपूर्ति तथा सफाई-02-मल निकासी एवं सफाई-106-वायु एवं जल प्रदूषण का निवारण-03-गंगा कार्यकारी योजना के अन्तर्गत रखरखाव हेतु जल संस्थान को अनुदान (फेज-1 एवं 2)-00-20-सहायक अनुदान/अंशदान/ राजसहायता के नामे डाला जायेगा।

4- यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय सं०- 277/XXVII (2)/2017 दिनांक 28 जुलाई, 2017 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(अर्जुन सिंह)  
अपर सचिव।

पू०सं० 1165 (1)/उत्तीस(2)/17-2(98पे०)/2012 तददिनांकित  
प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड देहरादून।
2. जिलाधिकारी, देहरादून।
3. बजट निदेशालय, उत्तराखण्ड।
4. वित्त अनुभाग-02, उत्तराखण्ड शासन।
5. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, देहरादून।
6. मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तराखण्ड जल संस्थान, देहरादून।
7. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(महावीर सिंह चौहान)  
संयुक्त सचिव।